

1063

4

द्वैधीभाव, साम, मात्स्य न्याय, चाणक्य

Dvaidhibhava, Saama, Maatsya nyaaya, Chanakya.

[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 1063

B

Unique Paper Code : 12135907

Name of the Paper : Ancient Indian Polity (GE-7)

Name of the Course : B.A. (H) (G.E.) LOCF

Semester : II

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

Instructions for Candidates

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Unless otherwise required in a question answers should be written either in Sanskrit or in Hindi or in English, but the same medium should be used throughout the paper.
3. Answer any **Five** among the following.
4. Question No. 8 is compulsory.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

(1000)

P.T.O.

2. अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्नपत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।
3. किन्हीं 5 प्रश्नों का उत्तर दीजिए।
4. प्रश्न संख्या 8 अनिवार्य है।

1. मनुस्मृति के अनुसार 'राजा की दिव्यता' को स्पष्ट कीजिए।

Explain the 'divinity of the king' according to Manusmriti.

2. रामायण और महाभारत में वर्णित पौरजनपद की अवधारणा पर प्रकाश डालें।

Highlight the concept of Paur-janapada according to Ramayana and Mahabharata.

3. प्राचीन भारतीय नीतिशास्त्र के सप्ताङ्ग सिद्धान्त की विवेचना कीजिए।

Discuss Saptang Theory of Ancient Indian Niti shastra.

4. शुक्रनीति के अनुसार प्रजा के सेवक के रूप में राजा की व्याख्या करें।

Explain the king as a Public Servant according to Shukraniti.

5. षाड्गुण्य सिद्धान्त का वर्णन कीजिए।

Describe the Shadgunya Theory.

6. राष्ट्र की उन्नति में कर की महत्ता का विवेचन कीजिए।

Describe the importance of tax for the development of a Nation.

7. मनुस्मृति में वर्णित राजधर्म को स्पष्ट कीजिए।

Explain the Rajadharma according to the Manusmriti.

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए:

Write short notes on any **two** of the following :